राजकीय डिग्री महाविद्यालय,
कतरीसराय, नालन्दा
पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

राजकीय डिग्री महाविद्यालय, कतरीसराय, नालन्दा, बिहार सरकार द्वारा स्थापित एक उच्च शिक्षण संस्थान है। दिनांक 25 जुलाई 2026 को माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी द्वारा इस महाविद्यालय का उद्घाटन किया गया। यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना की एक अंगीभूत इकाई है।

महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन हेतु प्रो. रामकृष्ण परमहंस ने दिनांक 11 मई 2026 को प्रभारी प्राचार्य के रूप में अपना योगदान दिया। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों एवं संस्थागत विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

शैक्षणिक व्यवस्था एवं संचालित विषय

वर्तमान में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला संकाय (B.A.) के अंतर्गत कुल छह विषयों की पढ़ाई हो रही है। ये विषय निम्नलिखित हैं:

1. हिंदी
2. अंग्रेजी
3. इतिहास
4. राजनीति विज्ञान
5. समाजशास्त्र
6. अर्थशास्त्र

महाविद्यालय में वर्तमान में कुल 11 सहायक प्राध्यापक (संविदा) कार्यरत हैं। इन शिक्षकों का विश्वविद्यालय में योगदान दिनांक 10 अगस्त 2026 को तथा महाविद्यालय में योगदान दिनांक 11 अगस्त 2026 को हुआ।

विभागवार शिक्षक विवरण

क्रमांक	विभाग	कार्यरत शिक्षक
1	हिंदी विभाग	1. पंकज कुमार 2. रौशन कुमार
2	अंग्रेजी विभाग	1. प्रियांशु प्रिया 2. नेहा कुमारी
3	इतिहास विभाग	1. डॉ. कुंदन कुमार पासवान 2. डॉ. निशा कुमारी
4	राजनीति विज्ञान विभाग	1. डॉ. भवतोष भास्कर 2. संजीव कुमार
5	समाजशास्त्र विभाग	1. डॉ. कुमारी प्रियंका राज 2. रंगोली पाण्डेय
6	अर्थशास्त्र विभाग	1. अभिषेक आनंद

महाविद्यालय में कार्यालयीय कार्यों के सुचारु संचालन हेतु श्री भोला प्रसाद दैनिक वेतनभोगी लिपिक के रूप में कार्यरत हैं।

आधारभूत सुविधाएँ एवं भौगोलिक परिवेश

राजकीय डिग्री महाविद्यालय, कतरीसराय, नालन्दा, ग्रामीण क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण उच्च शिक्षण संस्थान है। महाविद्यालय में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बिजली, पेयजल तथा खेल के मैदान जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

महाविद्यालय परिसर की एक विशेषता यह भी है कि इसके कैंपस में प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी, आवासीय विद्यालय तथा टेकनारायण +2 उच्च विद्यालय अवस्थित हैं। इससे यह परिसर शिक्षा के एक व्यापक केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

महाविद्यालय के आसपास का वातावरण ग्रामीण परिवेश से जुड़ा हुआ, शांत एवं स्वच्छ है। प्राकृतिक शांति और प्रदूषण-मुक्त वातावरण विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करता है।

भविष्य की संभावनाएँ

वर्तमान में महाविद्यालय में कला संकाय के अंतर्गत छह विषयों में स्नातक स्तर की पढ़ाई संचालित की जा रही है। आशा है कि आगामी शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं मांग को ध्यान में रखते हुए कुछ अन्य विषयों की पढ़ाई भी प्रारंभ की जा सकेगी।

यह महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भविष्य में नए विषयों के संचालन, शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से यह संस्थान क्षेत्र के शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास में और अधिक योगदान दे सकेगा।

समग्र रूप से, राजकीय डिग्री महाविद्यालय, कतरीसराय, नालन्दा ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रसार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शैक्षणिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।